कोटा शंभूपुरा बाईपास पर सड़क हादसा, खाटूश्यामजी से लौट रहे 9 लोगों की मौत

हाईवे पर जा रहे ट्रक के चालक ने गाड़ी चेक करने के लिए उसे सड़क पर ही रोका था और नीचे उतरा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही क्रूजर सीधे खड़े ट्रक में जा घुसी

कोटा, (निसं)। नेशनल हाईवे 52 पर कोटा के शंभूपुरा बाईपास के पास शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। खाटू श्यामजी के दर्शन कर महाराष्ट्र लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक क्रूजर गाड़ी सड़क पर खड़े ट्रक में जा घुसी। रात करीब 12.30 बजे हुए इस भीषण हादसे में नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस हादसे पर पीएम ने भी दुख जताया है।

पुलिस उप अधीक्षक पंचम हिमांशु सिंह ने बताया कि मूल रूप से महाराष्ट्र के धुले निवासी यह लोग हैं। यह बीते 6 दिनों से राजस्थान की धार्मिक यात्रा पर थे। दुर्घटना में 9 लोगों की मौत हुई है। इनमें ऊषाबाई पत्नी सज्जन, सुशीला पत्नी बाबूलाल पंवार, कैलाश पुत्र भगवान पंवार, सानवी पुत्री गणेश, सज्जन पुत्र दौलत पंवार, अनीता पुत्री कैलाश, बाबूलाल पंवार पुत्र दौलत पंवार, जानवी पुत्री कैलाश पंवार, माधवी पत्नी गणेश पंवार हैं। इस हादसे में 8 लोग घायल हैं जिनमें मनीषा पत्नी शरद पंवार, मयूरी पुत्री शरद पंवार, जगदीश पुत्र कैलाश पंवार, श्रीजीत पुत्र गणेश पंवार, शरद पुत्र बाबूलाल पंवार, गणेश पुत्र सैयद पंवार और क्रूजर चालक कैलाश और ट्रक चालक हारून पुत्र सलीम है। पुलिस उपअधीक्षक (द्वितीय) राजेश टेलर ने बताया कि हाईवे पर जा रहे ट्रक के चालक ने गाड़ी चेक करने के लिए उसे सड़क पर ही रोका था और नीचे उतरा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही क्रूजर सीधे खड़े ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि क्रूजर के परखच्चे उड़ गए और अधिकांश श्रद्धालुओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस भिड़ंत में ट्रक चालक भी घायल हुआ है।

पुलिस उप अधीक्षक राजेश टेलर ने बताया कि यह लोग मंगलवार रात 10 बजे तीन गाड़ियों में सवार होकर करीब 36 लोग राजस्थान की धार्मिक यात्रा के लिए महाराष्ट्र के धुले से निकले थे। यह लोग सबसे पहले मध्यप्रदेश के ओंकारेश्वर, उज्जैन महाकाल गए। उसके बाद सांवरिया जी, पुष्कर, अजमेर, सालासर बालाजी और खाटू श्यामजी के दर्शन इन्होंने किया। महाराष्ट्र के रहने वाले श्रद्धालु तीन गाड़ियों के काफिले में खाटू श्यामजी के दर्शन करने आए थे।

दर्शन के बाद सभी लोग वापस अपने घर महाराष्ट्र लौट रहे थे। बूंदी की तरफ से आते हुए जब उनका काफिला शंभूपुरा गांव के नजदीक पहुंचा तो सबसे आगे चल रही क्रूजर गाड़ी अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में अधिकांश की मौत मौके पर ही हो गई थी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने शेष गंभीर घायलों को भी मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सभी नौ मृतकों के शवों को मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। जबकि आठ घायलों का ईलाज जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम सहित तमाम आला अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने बिना देर किए अपने वाहनों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। टक्कर के बाद क्रूजर चालक और कई यात्री बुरी तरह से क्षतिग्रस्त वाहन में फंस गए थे, जिन्हें कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस प्रशासन के साथ-साथ अस्पताल प्रबंधन को भी अलर्ट मोड पर रखा गया था। मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेश जोशी व एडीएम सिटी विनोद कुमार मल्होत्रा सहित कई अधिकारी अस्पताल पहुंच गए थे।

अस्पताल प्रबंधन ने तत्काल आनन-फानन में इमरजेंसी में सभी डॉक्टर को बुला लिया था। अस्पताल पहुंचने के बाद तत्काल घायलों का ईलाज शुरू किया गया। कोटा शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि दुर्घटना के पूरे मामले में जांच पड़ताल की जा रही है। यह लोग खाटू श्यामजी से आकर धार मध्यप्रदेश होते हुए धुले महाराष्ट्र जा रहे थे। इनके अन्य परिजन भी दूसरी गाड़ी में थे। मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा। एडीएम राजेश जोशी ने बताया कि पुलिस ने काफी तत्परता दिखाते हुए इन लोगों को अस्पताल पहुंचाया है। घटना के मामले में जांच भी करवाई जाएगी।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर कहा है कि राजस्थान के कोटा में हुए दुखद हादसे में लोगों की जान जाने से वे बेहद दुखी हैं और इस दुख की घड़ी में उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

बैंक से 14.23 लाख की चोरी का फरार आरोपी पकड़ा

डूंगरपुर, (निसं)। चितरी थाना क्षेत्र में आरबीएल फिनसर्व लिमिटेड बैंक से 14 लाख 23 हजार 217 रुपए की चोरी के मामले में पुलिस ने अंतरराज्यीय चोर गिरोह के फरार इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मुकेश डामोर गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने और वेश बदल रहा था। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से राजस्थान और गुजरात में दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस पहले ही गिरोह के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा कर चुकी है।

चितरी थानाधिकारी रमेश मीणा ने बताया कि आरबीएल फिनसर्व लिमिटेड बैंक के ब्रांच मैनेजर राजेश कुमार सैनी ने 7 सितंबर 2026 को थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट के अनुसार 6 सितंबर की रात करीब 11 बजे तीन दिन का कैश मिलान कर 14,23,217 रुपए बैंक के लॉकर में रखे गए थे। इस दौरान लॉकर की चाबियां बैंक में ही छोड़ दी गई थीं। अगले दिन सुबह बैंक पहुंचने पर लॉकर, अलमारी और ड्रॉअर खुले मिले। जांच करने पर बैंक से पूरी नकदी गायब मिली।

फॉर्च्यूनर कार से 489 किलो 420 ग्राम डोडा चूरा बरामद



राजसमंद पुलिस और पाली डीएसटी की संयुक्त टीम ने बडी कार्रवाई कर मादक पदार्थ जब्त किए।

राजसमंद। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत राजसमंद पुलिस और पाली डीएसटी की संयुक्त टीम ने बडी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

- **जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत करीब 74 लाख रुपये आंकी गई**

पुलिस ने चारभुजा थाना क्षेत्र में एक फॉर्च्यूनर कार से 489 किलो 420 ग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया है। साथ ही एक देशी पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस भी जब्त किए हैं। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत करीब 74 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार 22 नवंबर 2026 की रात्रि में चारभुजा थाना सर्कल के मानावतों का गुडा-नीचला घाटडा रोड पर मागेला के पास सडक किनारे खाई में सफेद रंग की फॉर्च्यूनर कार पलटी हुई मिली। पुलिस ने जेसीबी की सहायता से कार को सीधा करवाकर खडा किया।

तीन बाल श्रमिक मुक्त कराए

डूंगरपुर। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, कोतवाली पुलिस और सृष्टि सेवा समिति की टीम ने तीन बाल श्रमिकों को मुक्त कराया। यह कार्रवाई बाल अधिकारिता विभाग की ओर से संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन ने की। चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपरवाइजर कमलेश जैन ने बताया कि 1098 पर कोतवाली थाना क्षेत्र में बच्चों से बालश्रम कराने की सूचना मिली थी। इसके बाद चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक मेहुल शर्मा ने कोतवाली पुलिस को इसकी जानकारी दी। संयुक्त टीम ने बिलडी स्थित भेरूनाथ कचोरी सेंटर से एक बालक को मुक्त कराया। सिन्टेक्स मील के पास भवन निर्माण के काम में लगे दो बालकों को भी मुक्त कराया गया।

लेपर्ड ने 6 बकरियों का शिकार किया

उदयपुर (कास)। जिले के भीण्डर थाना क्षेत्र के वाणियातलाई गांव में बीती रात लेपर्ड ने एक बाड़े में घुसकर 6 बकरियों का शिकार कर लिया। सुबह जब मालिक उठा तो बाड़े में बकरियां मृत पड़ी दिखीं। लेपर्ड के हमले में सभी 6 बकरियों मर गईं।

घटना शनिवार रात की है। सरकारी सी. सैकंडरी स्कूल से करीब 300 मीटर दूर मोडा पुत्र अमरा रावत के बाड़े में घुसकर लेपर्ड ने बाड़े में बंधी हुई बकरियोंका शिकार किया। घटना के बाद ग्रामीणों की बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। सूचना पर भींडर थाना पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटना का जायजा लिया।

कार और टेम्पो ट्रेवलर मिनी बस की भिड़ंत में तीन लोगों की मौत

जोधपुर, (कासं)। शनिवार देर शाम देचू थाना क्षेत्र के मंडला के पास कार और टेम्पो ट्रेवलर मिनी बस की आमने-सामने भिड़ंत में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हो गए। हादसे में कार सवार मध्य प्रदेश के दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मिनी बस में सवार एक घायल ने जोधपुर के अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और एम्बुलेंस की मदद से घायलों को देचू अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया।

- **हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और एम्बुलेंस की मदद से घायलों को देचू अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया।**

जानकारी के अनुसार, शनिवार देर शाम देचू थाना क्षेत्र के मंडला के पास कार और मिनी बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची तथा घायलों को तत्काल देचू अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने कार सवार दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के देवास निवासी मुकेश बालोटिया और देवास जिले के सोनकच निवासी राजेंद्र पुत्र नथरिया के रूप में हुई है।

देचू अस्पताल प्रभारी कैलाश बिश्नोई के अनुसार, हादसे के बाद कुल 20 लोगों को अस्पताल लाया गया था। इनमें दो की मौत हो चुकी थी। शेष 18 घायलों में से 14 को प्राथमिक उपचार के बाद 108 एम्बुलेंस की मदद से जोधपुर रेफर किया गया। चार घायलों को मामूली चोटें आने पर उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। जोधपुर के मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल पहुंचने पर घायलों में शामिल जयंतीभाई (45) की भी मौत हो गई। इस तरह हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई, जबकि 17 लोग घायल हैं।

हादसे का शिकार हुई मिनी बस में गुजरात के पालनपुर और आसपास के क्षेत्रों के 18 यात्री सवार थे। घायलों में नीलाबेन (50), रेयांश (2), सवाई सिंह (23), सतीश पटानी (12), भावना (16), हसमुख पटानी (30), आरती (24), कैलाशबेन (30), सुनीता (25), मंजूबेन (40), जितेन (42), पूजाबेन (26), सचिन (28), भरतलाल पटानी (50), अनिल (36), मनोजभाई (28) और राहुलभाई (26) शामिल हैं। इनमें अधिकांश यात्री पालनपुर और दांतीवाड़ा बनास फांटा क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं।

हादसे में दो दर्जन से अधिक लोग घायल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के केरू इलाके के पास एक तेज रफ्तार कैंपर गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में गाड़ी में सवार दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को उपचार के लिए मथुरादास माथुर अस्पताल लाया गया। दो घायलों की हालत गंभीर है।

हादसे के बाद गाड़ी में सवार घायल लोगों ने पुलिस और चालक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। घायलों का कहना है कि पुलिस की गाड़ी उनकी कैंपर का पीछा कर रही थी। पुलिस से बचने के चक्कर में चालक वाहन को काफी तेज गति से भगा रहा था।गाड़ी में बैठे लोगों ने आरोप लगाया कि चालक से गाड़ी रोकने की गुहार भी लगाई, लेकिन गाड़ी नहीं रोकी। इसी दौरान तेज रफ्तार के कारण कैंपर बेकाबू होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के शिकार हुए यात्री रायसर से कोलायत तीर्थस्थान के लिए जा रहे थे। करीब 25 लोग गाड़ी में सवार थे।वहीं इस पूरे मामले को लेकर झंवर थाना अधिकारी प्रहलाद सिंह का कहना है कि पुलिस ने किसी गाड़ी का पीछा नहीं किया। पिकअप चालक मोड पर संतुलन खो बैठा और गाड़ी पलटी खा गई। जिसकी वजह से हादसा हो गया।

देशनोक रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

जोधपुर, (कासं)। देशनोक में आयोजित होने वाली प्रसिद्ध धार्मिक परंपरा माता करणी के ओरण परिक्रमा के दृष्टिगत मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने आज देशनोक रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक, बीकानेर गौरव गोविल भी उनके साथ उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक त्रिपाठी ने स्टेशन पर आरक्षण एवं टिकट बुकिंग काउंटर, पैनल रूम, प्रतीक्षालय, सर्कुलेटिंग एरिया, यात्रियों के बैठने के लिए उपलब्ध स्थान तथा अन्य यात्री सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन परिसर की साफ-सफाई, यात्रियों के आवागमन, भीड़ प्रबंधन एवं श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंडल रेल प्रबंधक ने निर्देश दिए कि ओरण परिक्रमा के दौरान देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्टेशन पर यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही यात्रियों के बैठने एवं आवागमन के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध रखने तथा सभी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने बताया कि देशनोक रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में और अधिक विस्तार करने के उद्देश्य से विकास एवं उन्नयन कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे।

बूंदी महोत्सव : 5 से 7 फीट लंबी मूंछें और 30 किलो तक की पगड़ियां



बूंदी उत्सव में प्रसिद्ध बीकानेर बियर्ड ग्रुप अपनी प्रस्तुति देगा।

बूंदी (निसं)। बूंदी उत्सव-2026 में इस बार राजस्थान की शाही आन-बान-शान, लोक परंपरा और सांस्कृतिक गौरव का अनूठा नजारा देखने को मिलेगा। उत्सव में बीकानेर का प्रसिद्ध बीकानेर बियर्ड ग्रुप अपनी विशिष्ट पहचान और अनूठी प्रस्तुतियों के साथ आकर्षण का केंद्र बनेगा। ग्रुप के कलाकार अपनी 5 से 7 फीट तक लंबीमूंछों, 8 से 30 किलोग्राम तकवजनी विशाल पारंपरिक पगड़ियों और राजस्थानी वेशभूषा के जरिए प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करेंगे।

- **बूंदी उत्सव में दिखेंगी बीकानेर की शाही आन-बान-शान**
- **बीकानेर बियर्ड ग्रुप के कलाकार अपनी अनूठी मूंछों, विशाल पगड़ियों और राजस्थानी पारंपरिक वेशभूषा से बिखेरेंगे लोक संस्कृति के रंग, 27 नवंबर को भव्य शोभायात्रा में होंगे शामिल**

बीकानेर निवासी श्याम सुंदर जोशी के नेतृत्व में पिछले 7-8 वर्षों से यह समूह राजस्थान की लोक संस्कृति, पारंपरिक पहनावे और राजसी शान को देशभर में पहचान दिलाने में जुटा है। समूह ने कोटा महोत्सव, गणगौर उत्सव, ब्रज की होली, माउंट आबू के सांस्कृतिक आयोजनों, दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले और जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में अपनी प्रस्तुतियों से विशिष्ट पहचान बनाई है। पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक शरद व्यास ने बताया कि बूंदी उत्सव के तहत 27 नवंबर को सुबह 9 बजे गढ़ पैलेस से पुलिस परेड ग्राउंड तक निकलने वाली भव्य शोभायात्रा में बीकानेर बियर्ड ग्रुप के कलाकार शामिल होंगे। इस दौरान शहरवासी और पर्यटक कलाकारों की अनूठी वेशभूषा, लंबी मूंछों और विशाल पगड़ियों को करीब से निहार सकेंगे तथा उनके साथ यादगार सेल्फी भी ले सकेंगे।

सहायक पर्यटन अधिकारी प्रेमशंकर सैनी ने बताया कि बीकानेर बियर्ड ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता इसकी असाधारण मूंछें और विशाल पगड़ियां हैं। समूह के कई सदस्यों की मूंछें 5 से 7 फीट तक लंबी हैं। कलाकार मूंछों के सहारे तलवार थामने जैसे अनूठे करतबों से दर्शकों को रोमांचित करते हैं। वहीं 8 से 30 किलोग्राम तक वजन वाली पारंपरिक पगड़ियां घंटों धारण कर राजस्थानी परंपरा के प्रति अपनी निष्ठा और गौरव का परिचय देते हैं।

समूह के सदस्य अपनी दाढ़ी और मूंछों की देखभाल के लिए भी पारंपरिक प्राकृतिक तरीकों को अपनाते हैं। मुल्तानी मिट्टी, दही, छाछ और प्राकृतिक तेलों से इनकी देखभाल की जाती है। उनके लिए मूंछें महज व्यक्तित्व का हिस्सा नहीं, बल्कि सम्मान, स्वाभिमान और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक हैं। श्याम सुंदर जोशी और उनकी टीम का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं, बल्कि राजस्थान की राजसी विरासत, पारंपरिक वेशभूषा और लोक संस्कृति को देशभर में प्रोत्साहित करना है। इंडिया टैलेंट फाइट से प्रेरित होकर समूह के सदस्यों में अपने इस अनूठे सांस्कृतिक हुनर को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का उत्साह भी बढ़ा है। समूह अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से नई पीढ़ी को धोती-कुर्ता, पारंपरिक जूती, पगड़ी और मूंछों जैसी सांस्कृतिक पहचान से जुड़ने का संदेश देता है।

सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपियों को आजीवन तक कारावास

भीलवाड़ा, (निसं)। पोक्सो न्यायालय संख्या-01 ने नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सख्त फैसला सुनाते हुए दो आरोपियों को शेष प्राकृतिक जीवन तक कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने ईशु हरिजन पर 50 हजार रुपये और आकाश सांसी पर 35 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 31 दिसंबर 2024 को शाम करीब 6:30 बजे नाबालिग पीड़िता, जो झाड़ू-पोंछे का काम करती है, रुक्मणी कॉलोनी जा रही थी। रास्ते में उसे उसकी सहेली का पति ईशु हरिजन मिला। उसने पीड़िता से कहा कि उसकी सहेली को लड़की हुई है और वह मिलने बुला रही है। भरोसे में आकर नाबालिग उसकी मोटरसाइकिल पर बैठ गई। आरोप है कि ईशु उसे जबरन पालड़ी नदी के पास जंगल में ले गया, जहाँ उसके साथी आकाश सांसी और एक अन्य व्यक्ति पहले से मौजूद थे। वहाँ पीड़िता का फोन स्विच ऑफ कर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इस दौरान आकाश सांसी और अन्य ने पीड़िता के हाथ-पैर पकड़े। साथ ही फोन से जबरन पैसे ट्रांसफर कराने का दबाव बनाया गया और सोने का मांदलिया छीनने का प्रयास किया गया।

किसी तरह भागकर पीड़िता ने फोन ऑन किया और अपने भानजे को घटना की जानकारी दी। भानजा मौके पर पहुँचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। इसी दौरान सुभाषनगर थाना पुलिस की गाड़ी वहाँ पहुँची। पीड़िता ने पुलिस को घटना बताई और रात में प्रतापनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

दो नदियों का संगम बना कुदरती अभयारण्य

बूंदी (निसं)। आमतौर पर वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए अभयारण्य और संरक्षण क्षेत्र घोषित किए जाते हैं, लेकिन बूंदी जिले में एक ऐसा अनूठा प्राकृतिक स्थल भी है, जहां किसी सरकारी घोषणा के बिना ही स्थानीय लोगों की धार्मिक आस्था वन्यजीवों के लिए सुरक्षा कवच बन गई है। घोड़ा पछाड़ और मांगली नदी का संगम स्थल प्रकृति, आध्यात्मिकता और जैव विविधता केसहअस्तित्वकी ऐसी ही अनूठी मिसाल पेश कर रहा है। यहां वन्यजीव निडर होकर विचरण करते हैं और जलीय जीवों को भी अपेक्षाकृत सुरक्षित प्राकृतिक आवास मिला हुआ है। दोनों नदियों के संगम के बाद संयुक्त जलधारा आगे कुरेल नदी के नाम से बहती है।

- **आस्था की ऐसी ढाल कि यहां बेखौफ विचरण करते हैं वन्यजीव**

संगम स्थल के दोनों किनारों पर श्रृंग ऋषि का प्राचीन आश्रम और शिव मंदिर स्थित हैं। धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व के चलते आसपास के ग्रामीणों की इस स्थान से गहरी आस्था जुड़ी हुई है। श्रद्धालुओं की नियमित आवाजाही के बावजूद यहां प्रकृति का शांत और सहज वातावरण बरकरार है। संगम के स्वच्छ जल में बड़ी संख्या में जलीयकछुएऔर विभिन्न प्रजातियों की मछलियां दिखाईदेतीहैं। वहीं आसपास के वन क्षेत्र में नीलगाय, राष्ट्रीय पक्षी मोर और स्थानीय व प्रवासी पक्षियों की अनेक प्रजातियां विचरण करती हैं। नदी किनारे मौजूद प्राकृतिक वनस्पति इन जीवों को अनुकूल आवास उपलब्ध कराती है।

इस स्थल की सबसे खास बात यह है कि धार्मिक आस्था और स्थानीय परंपराओं के चलते यहां वन्यजीवों का शिकार नहीं किया जाता। किसी औपचारिक सरकारी अधिसूचना के बिना ही यह क्षेत्र स्थानीय स्तर पर शिकार निषिद्ध क्षेत्र जैसी पहचान बना चुका है। यहां वन्यजीवों का बेखौफ विचरण इस बात का प्रमाण है कि सामुदायिक आस्था और प्रकृति के प्रति सम्मान भी जैव विविधता संरक्षण का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं।

आस्था ने रोका शिकार, लेकिन अवैध रेत खनन बना बड़ी चुनौती

दो नदियों के संगम पर धार्मिक आस्था के चलते वन्यजीवों और जलीय जीवों का शिकार तो रुका हुआ है, लेकिन अवैध रेत खनन इस प्राकृतिक धरोहर के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। नदी में जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढे और किनारों पर जमा रेत के ढेर लंबे समय से हो रही रेत निकासी की कहानी बयां कर रहे हैं।

रेत खनन से नदी की प्राकृतिक संरचना प्रभावित हो रही है। इससे जलीय कछुओं और अन्य जीवों के प्राकृतिक आवास तथा प्रजनन स्थलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। ऐसे में धार्मिक आस्था से सुरक्षित इस प्राकृतिक विरासत को अवैध खनन से बचाने के लिए प्रभावी निगरानी और संरक्षण की आवश्यकता है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यहां की समृद्ध जलीय जैव विविधता प्रभावित हो सकती है।

पुष्कर: बालाजी की पूजा के साथ पुष्कर मेलें में अजमेर केसरी कुश्ती दंगल शुरू

अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय व ग्रामीण पहलवानों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलता है और मेले की सांस्कृतिक पहचान समृद्ध होती है

पुष्कर। अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले के तहत दो दिवसीय 'पुष्कर मेला अजमेर केसरी कुश्ती दंगल-2026' का शुभारंभ पुष्कर मेला ग्राउंड में बालाजी महाराज की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। राजस्थान कुश्ती संघ के अध्यक्ष एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के ओएसडी राजीव दत्ता ने दंगल का शुभारंभ कर पहलवानों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि कुश्ती अनुशासन, आत्मविश्वास और ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है।

उद्घाटन अवसर पर पुष्कर नगर पालिका अध्यक्ष राजेंद्र बाकोलिया, आयोजन समिति अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह भाटी, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अरविंद शर्मा एवं राजस्थान राज्य कुश्ती संघ के सचिव सौरभ बजाड ने पूजा-अर्चना कर आयोजन की शुरुआत की। अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय व ग्रामीण पहलवानों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलता है और मेले की सांस्कृतिक पहचान समृद्ध होती है।

रेफरी राम जाट के अनुसार विभिन्न भार एवं आयु वर्गों में हुए मुकाबलों में पहलवानों ने शानदार दांव-पेच दिखाए और कई खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई।



लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के ओएसडी राजीव दत्ता ने दंगल का शुभारंभ किया।

- **अजमेर केसरी वर्ग में दिशांत, आर्यन शर्मा, अजय नारायण व कार्तिक सेन ने पहले दिन दिखाया दमखम**

अजमेर केसरी वर्ग में दिशांत, आर्यन शर्मा, अजय नारायण व कार्तिक सेन ने दमखम दिखाया। अजमेर कुमार वर्ग में मुकुल साहू, क्रिश, सिद्धार्थ, अयान खान, नितेश सिंह, शिवम, अर्जुन कसाना, राहुल जैन, लवलेश चौहान, फैजान व ग्यारसी लाल सहित अन्य पहलवानों ने भाग लिया। अजमेर बसंत वर्ग में धर्मवीर, प्रतीक बामणिया, महेंद्र, सुशील, धनराज, युवराज, डेनी, देव गुर्जर, दिनेश, मोहित, लाला राम गुर्जर, विराज, शंकर, ईशान चीता, प्रधान व कुंदर ने प्रतिभा दिखाई, जबकि अजमेर अभिमन्यु वर्ग में संदीप, रवि, कुणाल व आयुष ने अगले चरण में स्थान बनाया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खान मोहम्मद, सीआईडी सी.आई. दिनेश कुमावत, नवनीत कौशल, मोनू बराड़, करण गुर्जर, दिनेश मुरसानी, शास्त्री लोकेश शर्मा, दीपेंद्र गौड़, कमल पुट्टी, सुनीत पुट्टी सहित आयोजन समिति सदस्य व बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

आयोजन समिति के अनुसार 23 नवंबर को पुष्कर मेला ग्राउंड में समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह होगा। इसमें केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत व राजीव दत्ता की उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता पहलवानों को सम्मानित कर आकर्षक नकद पुरस्कार दिए जाएंगे।